अपनो को फ़ायदा पहुंचाने के लिये खट्टर सरकार का फ़रमान, अब पोस्ट ग्रेजुएट चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, दसवीं पास तहसीलदार को पिलायेगा पानी!

2017 में ग्रेजुएट को और 2019 में दसवीं पास को पदोन्नति के जरिये तहसीलदार बनाने के फ़ैसले पर बड़ा खुलासा!

करनाल (जेके:पीके) अगर बात अपनों को फ़ायदा पहुंचाने की हो तो सरकार किसी भी हद तक जा सकती है। ऐसा हम नहीं हरियाणा सरकार के वो आदेश बोल रहे हैं जो इस खबर के नीचे हमने खुलासे के तौर पर संलग्न किये हैं। कुछ ही दिन पहले ग्रुप डी में नौकरी पाने वालों को 5 साल तक किसी नौकरी में आवेदन न करने देने जैसे आदेश चारों तरफ़ से घिरी खट्टर सरकार से आज इंडिया ब्रेकिंग न्यूज 24 न्यूज एक बड़ा खुलासा करने जा रहे हैं।

मामला हरियाणा राजस्व विभाग से जुड़ा है जिसने 17 जनवरी 2019 को एक आदेश निकाला जिसमें लिखा गया कि राजस्व विभाग में जिन ए.एस.आर./अधीक्षक/कानूगो/मुख्य सहायक की एसीआर और अन्य रिकार्ड ठीक है उन्हें तहसीलदार के पद पर पदोन्नति मिल जायेगी। इसके लिये सभी ज़िलों के आयुक्तों से प्रस्ताव और टिप्पणी मांगी गई है। इसी आदेश में जिन कर्मचारियों को तहसीलदार पद के लिये पात्र बनाया गया है उनकी शैक्षणिक योग्यता दसवीं रखी गई है।

यहां हास्यास्पद गौर करने लायक तथ्य है कि वर्ष 2019 में खट्टर सरकार की ओर से ज़ारी आदेश में खासतौर पर लिखा गया है कि तहसीलदार के पद पर पदोन्नति के लिये अबकी बार शैक्षणिक योग्यता स्नातक यानी ग्रेजुएट की बजाय दसवीं कक्षा होगी। जबकि हमारे पास जो दस्तावेज मौजूद है उसके अनुसार हरियाणा सरकार के ही जनवरी 2017 के आदेश अनुसार केवल ग्रेजुएट यानी स्नातक की योग्यता रखने वाले कर्मचारी ही तहसीलदार के पद पर तैनात हो सकते थे। यदि उस समय भी दसवीं कक्षा वाले को तहसीलदार के पद पर नियुक्ति मिलती तो सैंकड़ों कर्मचारी उस फ़ैसले का लाभ ले पाते लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया।

'सरकार बदली लेकिन सरकारी नीयत नहीं', साफ़ है कि खट्टर सरकार के इस फ़रमान से जहां अपनो को फ़ायदा पहुंचाने का ये फ़ैसला आने वाले चुनावों में एक तरफ़ राजनीतिक मुद्दा बन सकता है वहीं हरियाणा की भाजपा सरकार ने इस तरह के फ़ैसले से ये बता दिया है कि सरकार चाहे बदल जाये लेकिन राजनीतिक महत्वकांक्षा वही रहती है क्योंकि आज कुछ ऐसे नेता हैं जो भाजपा राज में 'देशभक्त' कहलाते हैं कभी वही कांग्रेस, इनेलो और अन्य पार्टियों में भ्रष्टतम कहलाते थे। आने वाले दिनों में हरियाणा सरकार अब इस मुद्दे पर क्या फ़ैसला लेती है इस पर हमारी नज़र बनी रहेगी लेकिन इस बात में कोई संशय नहीं कि इस तरह के आदेश से हरियाणा सरकार एक बार फ़िर सवालों के घेरे में हैं।

'अपनो को फ़ायदा पहुंचाने में लिए बदले नियम' अब सवाल है कि जब नवनियुक्त तहसीलदार के पद पर दसवीं कक्षा वाले प्रार्थी को तहसीलदार के पद पर योग्यता अनुसार नियुक्ति नहीं मिल सकती तो वर्तमान में सरकार में कार्य करने वाली कर्मचारियों पर इतनी मेहरबानी क्यों? जब इंडिया ब्रेकिंग ने इस सम्बन्ध में सरकारी सूत्रों से बात की तो पता चला कि खट्टर सरकार में कुछ मंत्रियों से नजदीकी रखने वाले दसवीं पास प्रार्थी जो कि तहसीलदार बनने के इच्छुक थे को निजी फ़ायदा पहुंचाने के लिये सरकार ने अपनी ही शर्तों में बड़ा बदलाव कर दिया। यानी ईमानदारी से नौकरी बांटने का ढिंढोरा पीटने वाली खट्टर सरकार ने चाहे पदोन्नति में ही सही लेकिन कानून और नियमो को ताक पर रखकर उन युवाओं को एक बार फ़िर ठेंगा दिखा दिया जो तहसीलदार के खाली पड़े पदों पर नई नियुक्ति के जरिये भर्ती हो सकते थे। वहीं अब सवाल ये भी है कि सरकार की मंशा आखिर है क्या?

जब ग्रुप डी के लिये सरकार को दसवीं के बजाय ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट प्रार्थी मिल सकते हैं तो तहसीलदार जैसे पदों पर क्यों नहीं? यानी सरकार ये तो चाहती है कि पानी पिलाने वाले ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट हो लेकिन तहसीलदार उन्हें दसवीं पास ही चाहिए। अब सोचकर देखिये कि जब ये दसवीं पास तहसीलदार बनकर ग्रुप डी में कार्य कर रहे अपने से ज़्यादा पढे लिखे कर्मचारियों पर रोब झाड़ेंगे उन्हें चाय पानी पीलाने को कहेंगे तो उन पर क्या बीतेगी?

शीला की जवानी का राज़ भगवा कमल विटामिन

नई दिल्ली : 15 साल तक लगातार दिल्ली की मुख्यमंत्री रही शीला दीक्षित ने कांग्रेस का ऐसा बंटाधार किया कि न तो विधानसभा में और न ही संसद में इसकी कोई नुमायंदगी छोड़ी। बीते संसदीय चुनावों में सातों सीटे भाजपा को और विधानसभा की 70 में से 67 सीटे आम आदमी पार्टी व तीन सीटें भाजपा की खाते में चली गयी यानी सबसे पुरानी व बड़ी पार्टी ज़ीरो हो गयी, वह भी 15 साल दिल्ली व 10 साल पूरे देश पर राज करने के बाद।

अपनी इस हैसियत के बावजूद भाजपा का रास्ता रोकने के लिये, बतौर दिल्ली कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष शीला दीक्षित 'आप' से गठबंधन को तैयार नहीं। इसका सीधा अर्थ यही है कि शीला नहीं चाहती कि कांग्रेस अपनी ज़ीरो की स्थिति से आगे बढे। जानकारों के मुताबिक इसका सीधा लाभ भाजपा को पहुंचता नज़र आ रहा है। इसे देखते हुए कांग्रेस आला कमान ने जमीनी सर्वे कराने का निर्णय लिया और शीला को बताये बिना इसे कार्यान्वित भी कर डाला।

राजनीतिक जानकार मानते हैं कि कांग्रेस पार्टी व जनता के बीच अपनी भद्द पिट जाने के चलते, उम्र के आखरी पड़ाव में शीला राजनीतिक के बियाबान में लुप्त हो चुकी थी। कांग्रेस में उनकी कोई औकात नहीं रह गयी थी, वे एक चला हुआ कारतूस बन कर रह गयी थी। लेकिन भाजपा के लिये इस

चले हुए कारतूस की इस वक्त काफ़ी अहमियत है। इसलिये भाजपा ने अंदर खाने शीला से अपने तार जोड़ लिये। कांग्रेस को जब इस षडयंत्र की भनक लगी तो उसने झट से शीला को प्रदेशाध्यक्ष पद के खूंटे से बांध दिया। ऐसे में उनका भाजपा में पलायन तो रूक गया लेकिन आस्था वहीं जुड़ी रह गयी। जो काम वह भाजपा में आकर भाजपा के लिये नहीं कर सकती थी उससे कहीं बढ़ कर कांग्रेस में रह कर करने की ठानी।

उधर कांग्रेस आला कमान को भी सारा माजरा समझने में देर नहीं लगी। उसने तुरंत शीला को बाइपास कर सर्वे कराना शुरू कर दिया। समझा जाता है कि सर्वे के बाद कांग्रेस और 'आप' का गठबंधन होना तय है जिससे ज़ीरो पर आ टिकी कांग्रेस दिल्ली में अपना खाता तो खोल पायेगी। जाहिर है इसके बाद कोई उचित समय देख कर कांग्रेस भी शीला को लात मार देगी। उस वक्त भाजपा के लिये भी उनकी कोई वेल्यू नहीं होगी।

ओयो होटल कायम हैं, सीलिंग के नाम पर वसूली जारी

फ़रीदाबाद (म.मो.) ओयो होटल का जाल कुकरमुत्तों की तरह शहर के सेक्टरों व गली-मुहल्लों में फ़ैलता जा रहा है। करीब 5-6 माह पूर्व स्थानीय विधायक एवं उद्योग मंत्री विपुल गोयल जब सेक्टर 8 में कोई नौटंकी कर रहे थे तो स्थानीय निवासियों ने उनका ध्यान इस समस्या की ओर खींचा था। उन्होंने बताया था कि ऐसे होटलों में जिस तरह से दिन भर लड़के-लड़कियों का आवागमन लगा रहता हैऔर जिस तरह से ये वेश्यावृत्ति के अड्डे बनते जा रहे हैं, उससे उन लोग़ों का जीना दूभर हो रहा है। उनके बच्चों पर इसका काफ़ी दुष्प्रभाव पड़ रहा है।

इस पर मंत्री जी ने तुरंत 'हूडा' व नगर निगम को हड़काया तो उनका बड़ा मासूम सा जवाब था कि उन्हें तो पता ही नहीं और न ही किसी ने कभी कोई शिकायत की। पुलिस का जवाब तो और भी सधा हुआ था कि यह उनका काम ही नहीं है। खैर, इसके बाद 'हूडा' व नगर निगम का ड्रामा शुरू हुआ। कहा गया कि वे चिन्हित कर रहे हैं। सर्वे करा रहे हैं। उसके बाद कड़ी कार्यवाही करेंगे। सीलिंग करेंगे। लेकिन आज तक किसी के विरुद्ध कुछ नहीं हुआ, बल्कि नये-नये ओयो होटल और खुलते जा रहे हैं। हां, पहले जहां केवल पुलिस की मंथली थी वहां अब उक्त दोनों विभागों की मंथली के अलावा सीलिंग न करने की फ़ीस अलग से बंध गयी। जहां तक सवाल सर्वे और चिन्हित करने का था, वह तो सबको पहले से ही पता था, सब कुछ चिन्हित था।

सेक्टर 21 ए की कोठी नम्बर 325 व एक अन्य कोठी में चल रहे ऐसे ही एक होटल के बारे में **'मज़दूर मोर्चा'** में समाचार प्रकाशित किया था। इस होटल के लगभग बगल में पुलिस चौकी होती थी जिसकी 60 हज़ार मंथली तो बंधी ही थी व अन्य सुविधायें अलग से। अब उस चौकी के सथान पर महिला थाना खोल दिया गया है परन्तु होटल का धंधा ज्यों का त्यों बरकरार है। अन्तर केवल इतना पड़ा है कि कोठी का नम्बर मीटा दिया गया है और होटल का बोर्ड हटा दिया गया है,बाकि सारा काम बदस्तुर जारी है।

यह ओयो है क्या? ओयो एक कंपनी का ट्रेड मार्क है। यह मकान मालिकों अथवा होटल मालिकों से उनकी बनी-बनाई बिल्डिंग को लीज़ पर लेकर उन्हें एक बंधा किराया अदा करती है। कमरों की तमाम बुकिंग ऑन लाइन कम्पनी के कम्प्यूटरों पर होती है। बिल्डिंग मालिक कम्पनी के मैसेज के आधार पर ग्राहकों को कमरे दे देता है। विदित है कि किसी भी होटल में कमरा बुक करने से पहले होटल प्रबंधन का दायित्व बनता है कि वह ग्राहक की पहचान सम्बन्धी औपचारिकतायें पूरी करे। परन्तु यह कोई नहीं जानता कि ओयो इस तरह की कोई औपचारिकतायें पूरी कर रहा या नहीं। कर भी रहा है तो कहां कर रहे हैं।

राईस मिलों के नालों का गंदा बदबूदार पानी करनाल कैथल मार्ग पर बिखरा, राहगीर परेशान

निसिंग:भारत भूषण: शहर के करनाल कैथल रोड पर बने राईस मिलों के पास बने नालों की सफ़ाई के अभाव में गंदा पानी सड़क पर बिखर रहा है। संचालकों द्वारा मिलों के गंदे बदबूदार पानी को बिना ट्रीट किए सड़क के फुटपाथ में बने कच्चे नालों में छोड़ने से बदबू का आलम बना हुआ ह। नालों का ओवरफ्लो पानी सड़क पर जमा हो जाता है। जिस कारण सड़क से गुजरने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों को जलभराव से निरंतर हादसों का अंदेशा बना रहता है।

कई मोटरसाईकिल सवार सड़क पर अनियंत्रित होकर गंदे पानी में गिरकर चोटिल भी हो जाते है। क्षेत्र वासियों में विक्रम सिंह, रामपाल, सुबे सिंह, कुलदीप सिंह, मामू राम, तेलू राम, विनोद राणा, संदीपा राणा, रणजीत सिंह, शिवकुमार , सतबीर सिंह, काला राम, राजेन्द्र कुमार, बबलू शर्मा, राजेश कुमार, रामकुमार , रामभज, रमेशचंद, शमशेर सिंह, प्रीतम राणा व दयानंद सहित अन्य का आरोप है कि सृष्टिएग्रो के पास सड़क में गहरे गड्ढे बने हैं जहां से पानी तो दूर सुखे में गुजरना भी चालकों के लिये चुनौती बना हुआ है। लेकिन सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों ने लंबे समय से सड़क को दुरूस्त नहीं किया। उन्होंने कहा कि कई जगह से बार-बार टूटने से सड़क गहरी बनी हुई है।

समस्या पिछले कई वर्षों से बनी हुई है, लकिन आज तक प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों ने समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया और न ही मिलों में ट्रीटमेंट प्लांट लगवाए गए। राईस मिलों द्वारा स्टेट हाईवें के दोनों ओर कच्चे फुटपाथ के नाले बनाकर उनमें राईस मिलों का बिना ट्रीट किया हुआ गंदा पानी डाला हुआ है। जिससे आसपास के क्षेत्र में बदबू का आलम बना हुआ है व सड़क से दिन-रात गुजरने वाले लोग़ों को भी बदबू से होने वाली परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नालों का गंदा पानी निसिंग के तीन छोर से गुजरती ड्रेन में डाला जा रहा है। जिसमें हमेशा राइस मिलों का गंदा पानी खड़ा रहता है। लोग गंदे पानी की बदबू से होने वाली परेशानी में जीने को मजबूर हैं। इतना ही नहीं ड्रेन में खड़ी घास व गंदे पानी में बारह महीने मच्छर पनपते रहते हैं। जिससे राहगीरों को परेशानी झेलनी पड़ती है। सड़क पर जमा पानी में चालकों को गड्ढे दिखाई नहीं देने से दो पहिया वाहन चालक चोटिल व बड़े वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे है। सड़क पर वाहन क्रासिंग के समय गंदे पानी के छींटे लगने व बाईक फ़िसलने से भी चालक नियंत्रण खोकर चोटिल हो रहे हैं। हल्की सी बरसात से सड़क पर जलभराव होने से अव्यवस्था उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने प्रशासनिक व विभागीय अधिकारियों से सड़क पर पानी निकालने वाले मिलरों के खिलाफ़ कड़ी कार्यवाही की मांग की है, ताकि कुछ लोग़ों की वजह से सड़क से वाहनों में दिनभर गुजरने वाले लाखों लोग़ों को परेशानी न हो।

इस सम्बन्ध पीडब्लूडी विभाग के कार्यकारी अभियंता दलेल सिंह का कहना है कि ड्रेन की ऊंचाई अधिक होने के कारण इन नालों का पानी पूर्ण रूप से ड्रेन में नहीं जा पाता। करनाल कैथल नये रोड पर नये सिरे से कार्य शुरू किया जायेगा। उस समय सड़क के पास से गंदे पानी के निकासी नालों का निर्माण ऊंचा उठाकर किया जायेगा। विभाग की ओर से गंदे पानी के नालों की जल्द ही सफ़ाई करवा दी जाएगी। राहगीरों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं उठाने दी जाएगी।

FASHION.IN

Available all types of ladies cotton kurties, Fancy Kurties, Jegin, legin, Fancy Top, T-Shirts, Trousers and imported material in wholesale price.

SPECIALITY IN FANCY TOP & FANCY KURTIES

लेडीज कपड़ों पर भारी छूट
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें

Address : 5M/22, N.I.T. FARIDABAD NEAR DAYANAND WOMEN COLLEGE, ST. JOSEPH CONVENT SCHOOL ROAD . 9911489490